भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 4084
गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024/28 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

सासाराम के लिए वायु संपर्क

4084. श्री मनोज कुमार:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का सासाराम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र को वायु संपर्क उपलब्ध कराने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त विमानपत्तन की रूपरेखा कब तक तैयार किए जाने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार इस विचार से सहमत है कि दक्षिण बिहार, आरा, बक्सर, कैमूर, औरंगाबाद और रोहतास से दिल्ली, मुम्बई, रांची, कोलकाता और लखनऊ तक वायु संपर्क होने से उक्त क्षेत्रों में ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के कारण रोजगार के अवसरों और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): आरा, बक्सर, भभुआ (कैमूर), डेहरी-ऑन-सोन बिहार में सासाराम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और उसके आसपास हवाईपट्टियां/हवाईअड्डे हैं जो क्षेत्रीय संपर्क योजना- उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) के तहत असेवित हवाईअड्डों की सूची में सूचीबद्ध हैं। तथापि, बोली प्रक्रिया के पांच दौर पूरे होने तक आरसीएस उड़ानों के परि चालन के लिए इन हवाईपट्टियों को जोड़ने वाले कोई भी मार्ग किसी भी एयरलाइन को अवार्ड नहीं किए गए थे। इसलिए, हवाईपट्टियों को 'उड़ान' योजना के अंतर्गत पुनरुद्धार के लिए शामिल नहीं किया गया है। यदि कोई एयरलाइन भविष्य की बोली प्रक्रिया में इन हवाई पट्टियों को जोड़ने वाली आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए वैध प्रस्ताव प्रस्तुत करती है, तो उस पर उड़ान योजना के प्रावधानों के अनुसार विचार किया जाएगा।

उड़ान एक बाजार-चालित सतत योजना है, जिसमें अधिक गंतव्यों/स्टेशनों और मार्गों को इसमें शामिल करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया आयोजित की जाती है। इच्छुक एयरलाइनें, विशेष मार्गों पर मांग के अपने आकलन के आधार पर, उड़ान के अंतर्गत बोली लगाने के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। उड़ान के लिए आवंटित मार्गों में शामिल हवाईअड्डे को, 'उड़ान' योजना के अंतर्गत परिचालन शुरू करने के लिए उन्नयन/विकास अपेक्षित होता है, उसे 'असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार' योजना के तहत विकास किया जाता है। हवाईअड्डे के विकास और पूरा तैयार होने के पश्चात, चयनित एयरलाइन प्रचालक (एसएओ) इन हवाईअड्डों को जोड़ने वाले 'उड़ान' मार्गों पर परिचालन शुरू करते हैं।

(ग) और (घ): राष्ट्रीय नागर विमानन नीति (एनसीएपी) 2016 में अवधारणीय उड़ान योजना में मौजूदा हवाई पट्टियों और हवाईअड्डों के पुनरुद्धार के माध्यम से देश के असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को कनेक्टिविटी प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। नीति के अनुसरण में, सरकार ने हवाई यात्रा को किफायती, सुविधाजनक बनाकर आम जनता तक पहुंचाने, यात्रियों के लिए संरक्षित, सुरक्षित, किफायती और संधारणीय हवाई यात्रा उपलब्ध कराने तथा भारत और विश्व के विभिन्न भागों तक कार्गो के हवाई परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने तथा एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव किया है, जिससे नागर विमानन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार में वृद्धि होगी तथा देश में संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

******